## NATJDNAL ANTJ-SLAYERY STANDABD.

| NEW-YORK, THURSDAY, JUNE 18, 1840. |  |  |  |  | NUMBER 2. |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |
| can anti-slavery society, | The listter was always sinful, the former might he perfect- ly right. A thirl speaker on the same side, | to perse |  | $x$, Bow |  |
|  |  |  |  |  |  |
| nathaniel p. rogers, milor. | ct, although a worse slavery exist ours Replies were made, and the |  | Moside |  | crimination and recrimination," it opens |
|  | H. C. Wright, S. May and of |  | cosit |  |  |
| Dolersi ifleyy |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Luta |  |  |  |  |  |
| AMERICAN ANTL-SLAVERY SOCIETY. |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | or the groatAnti-siavery cause, they canot do- Truth may compel them to "wibstand" |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| ittre |  |  |  | country, and not a few others, with laboring to make the Ant-Slavery cause "snhaservient" $w$ non-resitance. The eharge is s serious one, and it is either tree or false. If true, | Ptet |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | ce, T |  |  |  |
| ing and the proyrrass of the cause throuyhount the State, snd shownd the advencement of the colored popnlation in property, edu- | ed, snd it was resolved, that the |  |  | vin |  |
| cation, morality sud religion. <br> A letter from Lewis 'Tappon was then read, detailing the |  |  |  | of th |  |
|  | Place |  |  |  |  |
| likewise resd from the Pernsylvania Frceinan, wniten by |  |  |  |  |  |
|  |  |  | , |  |  |
|  |  |  | cheys.ifum. |  |  |
| mixit of |  |  |  |  |  |
| ce. |  |  |  |  |  |
|  |  |  | finm |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| , |  | , | mis |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| emin |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Truse |  |  |  | dramemer |  |
| nem |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | such |  |
| or poid | mith |  |  |  | nergles |
| $\begin{aligned} & \text { ring rite } \\ & \text { sit } \end{aligned}$ |  |  |  | another, if we h of the writer. I |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| hed | mind |  |  |  |  |
|  |  |  | The Amnual meeting |  |  |
| or or mim |  |  |  |  | hands of Ant-Slavery men and women. Among other beau- |
| ble ond rea |  | onf |  |  |  |
| conem | dat tobe |  | Sels |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Jind |  |  | Cuw camot hat cony |  |  |
|  | lemme hokk |  |  |  |  |
|  |  | ded lind of fimery. |  |  |  |
| doteo |  |  | retirat (imbloro |  |  |
| nd plsce as the measures as the | $\begin{aligned} & \text { adop } \\ & \text { ado } \\ & \text { Norf } \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \text { Resolved, That } \\ & \text { duty of ecery hums } \end{aligned}$ |  | emor iom |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | $\begin{aligned} & \text { aboo } \\ & \text { obod } \end{aligned}$ |  | "the sons of Levi" -the priests who have herecofore, and | 隹 |  |
| $\begin{gathered} \text { Bro } \\ 0 \end{gathered}$ |  |  |  | sem | to he taught to suretch forth her hands to God. Verdy, if she doen so "stretch forth her hands" it will be to pray for |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | Sels | R |  |  |  |
| d |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Mhat bee male yon |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| m |  |  |  | ame io compma |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | them to lie eryush or |  |  |  |
|  | and |  |  |  |  |
|  |  | for | $8 \mathrm{~m}$ |  |  |
| up not uofrequently with the kind of convecrational debate to which I have just alluded, giving rooun for cvery varity |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| ween 85 aidd 90 milos, having onaze several the way. At ten the Convention nsembiled |  |  |  |  |  |
| uch in |  |  |  | day laid |  |
| hich our set was | among wich, on account of sill givge win this comncetion, |  | stapl | momb |  |
|  |  | R | oxhs |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Basing |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |



## 1840. NATIONAL ANTI-SLAVERY STANDARD

|  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | 为 |  |  |  |  |
| m |  |  |  | general intelligence. |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | Anti-Slavery Society resolves not to be found hackward in doing what it can to that effect, for the slave's sake. Therefore, At thinty dass' sight hereof, please to draw |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | to the meeting of the colored people in T S. Wright' |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | $\begin{aligned} & \text { W. L. G. was not consultoil about it at all, and if notiee } \\ & \text { had not been given, he would lave positively forbidden it. } \\ & \text { I whe prosent at the time, anl feel confilent of the truth of } \end{aligned}$ |  |  |  |  |
| 'm |  |  |  |  |  |
| m | my assertion <br> As to the long specel, Philemon may posably be iniata- |  |  |  |  |
| k |  |  |  |  |  |
| " |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | Paty |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| . | the delcgates of the Parent Socicty, and those of other so-cietien. I cunceive that the colored people of New-York, orBoston, or Philadelphis, night very properly approve of adelegation chosen by the American. Anti-Slavery Socioty, |  |  |  |  |
| B |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | , |  |  |  |
|  | fusiun and discord.Philemon should have stated that W. I. Gurrison, in expressing his unwillinguess to be associatel in the saine |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | himself, so that it vould he mutusily disagreeable, which I suppose to be a simple faet. He thal not oppose the prof- |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | (e) |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | Amencan Anti-Siavery Society, who are Non-Remistank, us "contending for what they call "woman's nights"- the civil and political equality of women with men-deny the |  |  |  |  |
|  |  action; and they contrived to brang to the iate annal mee |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | tam theur views and measuressent tbis year, four hundred and zuty-four were from thosingle State of Massachusetts! Styling themselves '+ -Von- |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | mantaining the primitwe objects of the Society, they seemdetermined to carry forwand their favorite theories andpractices, st all esenta, even if the great moral enterprise |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | practices, st all events, even if the great moral enterpnase in which they and we originally embarked, should retrogade, and be justly offensive to those who might otherwise join |  |  |  |  |
|  | Anti-Slavery ranks, and help on the cause of impartal |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |



